रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

वर्ष 13 | अंक 44 | कुल पृष्ठ : 8 | मूल्य - 2 रू.

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर प्रति मंगलवार, 24 मार्च 2026 से 30 मार्च 2026 तक

मध्यप्रदेश बनेगा स्पेसटेक नीति-2026 से अंतरिक्ष तकनीक का प्रमुख केंद्रः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश स्पेसटेक नीति-2026 लागू की है। यह नीति स्पेसटेक नवाचार, विनिर्माण, अनुसंधान और तकनीक आधारित अनुप्रयोगों को बढ़ावा देकर प्रदेश को भारत की तेजी से विकसित हो रही अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बनाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था तेजी से विस्तार कर रही है और भारत इस क्षेत्र में नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश अपनी मजबूत औद्योगिक संरचना, प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों, डिफेंस कॉरिडोर और उभरते टेक्नोलॉजी इको सिस्टम के कारण स्पेसटेक निवेश के लिए एक अनुकूल और आकर्षक गंतव्य बन रहा है। यह नीति प्रदेश की वैज्ञानिक और खगोलीय विरासत को भविष्य उन्मुख तकनीकी नेतृत्व में बदलने का एक दूरदर्शी प्रयास है, जो युवाओं के लिए नए अवसर तैयार करेगी और प्रदेश को स्पेसटेक

सेक्टर में नई पहचान दिलाएगी।

स्पेसटेक इको सिस्टम के समग्र विकास का विजन

स्पेसटेक नीति-2026 अंतरिक्ष क्षेत्र के अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सभी क्षेत्रों के विकास का व्यापक रोडमैप प्रस्तुत करती है।इसमें सैटेलाइट और लॉन्च व्हीकल कंपोनेंट निर्माण, प्रणोदन प्रणाली, एवियोनिक्स, उन्नत सामग्री, असेंबली-इंटीग्रेशन-टेस्टिंग, मिशन संचालन, ग्राउंड स्टेशन, स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस और एआई आधारित डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है।नीति में आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा और युवाओं को विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में स्पेसटेक क्षेत्र के लिए तैयार किया जाएगा।

वेस्ट एशिया संकट पर PM मोदी एक्टिव

ईरान से शांति की अपील, दुनिया के नेताओं से लगातार बातचीत

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते संघर्ष के बीच Narendra Modi ने कूटनीतिक स्तर पर सक्रिय भूमिका निभानी शुरू कर दी है। Ministry of External Affairs के अनुसार, प्रधानमंत्री इस संकट को लेकर कई देशों के नेताओं से लगातार बातचीत कर रहे हैं, ताकि हालात को बिगड़ने से रोका जा सके।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता Randhir Jaiswal ने जानकारी दी कि ये बातचीत खास तौर पर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को कम करने और क्षेत्र में शांति बनाए रखने पर केंद्रित है।

उन्होंने कहा कि फरवरी के अंत से जिस तरह से हालात बिगड़े हैं, उसे देखते हुए भारत लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने Iran के राष्ट्रपति से भी बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ईद और नवरोज की शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि यह समय क्षेत्र में शांति और स्थिरता लेकर आएगा। साथ ही उन्होंने नागरिक इलाकों और महत्वपूर्ण ढांचों पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जताई और इनकी निंदा की।भारत ने साफ कहा है कि इस तरह के हमले न सिर्फ क्षेत्र के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा हैं, क्योंकि इससे वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है। खास तौर पर तेल और गैस की सप्लाई पर इसका सीधा

असर पड़ता है इस पूरे संकट में Strait of Hormuz सबसे अहम बन गया है। यह दुनिया का प्रमुख समुद्री रास्ता है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल गुजरता है। भारत ने जोर देकर कहा है कि इस रास्ते को हर हाल में खुला और सुरक्षित रखा जाना चाहिए, ताकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित न हो। विदेश मंत्रालय ने यह भी बताया कि भारत के लिए पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इस मामले में ईरान ने भारत को भरोसा दिलाया है कि वहां मौजूद भारतीयों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

पिछले कुछ हफ्तों में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच लगातार हमले और जवाबी कार्रवाई हुई है, जिससे हालात और गंभीर हो गए हैं। ऊर्जा ठिकानों पर हमले और समुद्र में बढ़ती सैन्य गतिविधि ने पूरे क्षेत्र को तनावपूर्ण बना दिया है। भारत इस स्थिति में संतुलन बनाए रखते हुए एक तरफ शांति की अपील कर रहा है और दूसरी तरफ अपने आर्थिक और रणनीतिक हितों को सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहा है। आने वाले दिनों में अगर तनाव और बढ़ता है, तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ सकता है।

इंदौर में फिर बड़ा खतरा टला

अवैध निर्माण में धंसा 100 साल पुराना कुआं, रहवासी बाल-बाल बचे

खुशबू श्रीवास्तव

मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर शहर में इंदौर बावड़ी कांड 2023 को अभी तीन वर्ष भी पूरे नहीं हुए हैं, लेकिन एक बार फिर अवैध निर्माण ने बड़ा हादसा होने का खतरा पैदा कर दिया। मामला रानी सती गेट के सामने की गली का है, जहां बिना नक्शा और बिना अनुमति के निर्माण कार्य किया जा रहा था।

बताया जा रहा है कि निर्माण कार्य अशोक कोठारी द्वारा कराया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि संबंधित झोन कार्यालय को भी इस निर्माण और वहां मौजूद पुराने कुएं की जानकारी नहीं थी। घटना सुबह करीब 7 से 8 बजे के बीच की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार रातभर झेमर मशीन से खुदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान लगभग 100 वर्ष पुराना बंद किया गया कुआं अचानक धंस गया। गहरी खुदाई के चलते ड्रेनेज लाइन और बाउंड्री वॉल भी टूट गई, वहीं आसपास के मकानों में दरारें आ गईं।

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि यह कुआं करीब 100 साल पुराना है और पहले यहां खुला मैदान और लेटरिंग की व्यवस्था थी। धीरे-धीरे कुछ रसूखदार लोगों ने इस जमीन पर कब्जा कर लिया और प्लॉटिंग कर एक-दूसरे को बेचते रहे। लेकिन अब इस कुएं के धंसने से पूरी हकीकत सामने आ गई।

जब इस मामले में अशोक कोठारी से बात की गई तो उन्होंने दावा किया कि निर्माण का नक्शा पास है, जबकि झोनल अधिकारी अभिषेक सिंह का साफ कहना है कि कोई नक्शा पास नहीं किया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि बिना अनुमति के इतनी बड़ी बिल्डिंग का निर्माण आखिर कैसे किया जा रहा था। रहवासियों ने आरोप लगाया कि पैसे और रसूख के दम पर नियमों को दरकिनार कर लोगों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा था। यदि समय रहते कुआं नहीं धंसता तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कुआं आज भी जीवित है और गर्मियों में पानी की किल्लत के दौरान लोगों के काम आ सकता है। इसलिए वे कुएं को पुनर्जीवित कर वहां पार्क बनाने की मांग कर रहे हैं। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि नगर निगम द्वारा जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करेंगे। साथ ही अशोक कोठारी के खिलाफ बिना अनुमति निर्माण और लोगों की जान जोखिम में डालने के मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग भी की जा रही है।

गैस एजेन्सी संचालकों की बैठक में कलेक्टर द्वारा गैस वितरण व्यवस्था की हुई समीक्षा

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से गैस एजेन्सी संचालकों की बैठक लेकर गैस वितरण, गैस सिलेण्डरों की उपलब्धता तथा गैस एजेन्सियों में होने वाली भीड़ के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को ऑनलाईन डिमांड करने पर ही गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराए जाएं। गैस सिलेण्डरों की होम डिलेव्हरी की जाए तथा शासन द्वारा निर्धारित दर से अधिक दर पर गैस सिलेण्डर विक्रय करने या होम डिलेव्हरी में उपभोक्ताओं से अधिक पैसा लेने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

पल्लवी इंडेन गैस एजेन्सी संचालक ने बताया कि वर्तमान में पहले से अधिक गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पूर्व में दैनिक गैस डिलेव्हरी 250 थी जो बढ़कर 300 हो गई है। इसी तरह भारत गैस आद्या गैस एजेन्सी संचालक ने बताया कि उनके एजेन्सी द्वारा 300 गैस सिलेण्डरों का दैनिक वितरण किया जा रहा है। गैस एजेन्सियों

में ऐसे उपभोक्ता जो पहले गैस सिलेण्डर लेने नहीं आते थे वे उपभोक्ता तथा ई-केवायसी कराने वाले उपभोक्ताओं के कारण भीड़ लग जाती है। शासन द्वारा गैस सिलेण्डर प्राप्त करने के लिए ई-केवायसी अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में एलपीजी गैस की क्राईसेस नहीं है। पूर्व की भांति ही गैस डिलेव्हरी का कार्य संपादित किया जा रहा है। लोगों से अपेक्षा की गई है कि अनावश्यक रूप से गैस सिलेण्डरों का भण्डारण नहीं करें।

मनावर में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण पर बड़ी कार्यवाही

20 से अधिक घरेलू सिलेंडर सहित उपकरण जब्त, आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज

दिलीप पाटीदार

धार कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के आदेशानुसार तथा अपर कलेक्टर जिला धार के निर्देशन में खाद्य विभाग मनावर के अधिकारियों द्वारा मनावर नगर के रहवासी क्षेत्रों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण एवं व्यवसायिक उपयोग की जांच हेतु सघन कार्यवाही की गई।जांच के दौरान गांधी नगर स्थित दिनेश कल्याणमल शर्मा के निवास से 14.2 किलोग्राम क्षमता के 20 घरेलू गैस सिलेंडर, 1 व्यवसायिक सिलेंडर, 5 किलोग्राम क्षमता के 8 सिलेंडर, एक तौल कांटा, विभिन्न कंपनियों की 20 गैस डायरियां एवं गैस ट्रांसफर में प्रयुक्त होने वाली 3 बांसुरियां जब्त की गईं।इसी प्रकार धार रोड स्थित न्यू कल्याण होटल, मनावर से 7 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। वहीं, धार रोड पर स्थित श्री बालाजी बेकरी एवं हाइड आउट रेस्टोरेंट में इंडक्शन के माध्यम से भोजन तैयार करते हुए पाया गया।प्राप्त सूचना के आधार पर मालवीय चौपाटी कांच मंदिर के पास स्थित मुस्तफा नजमुद्दीन, हर्षित के मकान तथा आजाद मार्ग स्थित इमरान राशिद एवं हमिद किराना दुकान की भी जांच की गई, जहां कोई अवैध गैस सिलेंडर भंडारण नहीं पाया गया।इस प्रकरणों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग एवं अवैध भंडारण के विरुद्ध यह जांच एवं कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी।यह संपूर्ण कार्यवाही जिला आपूर्ति अधिकारी, जिला धार के मार्गदर्शन में अनुराग वर्मा (कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, मनावर), निलेश जाधव (कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी) तथा रमेश जर्मन एवं विजय नगेंश (सहायक खाद्य अधिकारी) द्वारा की गई।

100 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से करें निराकरण-कलेक्टर

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के पत्रों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि विभिन्न विभागों में 100 दिन, 300 दिन और 500 दिन से ऊपर की शिकायतें लंबित हैं। संबंधित विभाग के अधिकारी इन शिकायतों की मानीटरिंग करें तथा 31 मार्च के पूर्व इनका निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित मॉनिटरिंग जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं करें तथा शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं।

उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो विभाग सी या डी श्रेणी में हैं वे सीएम हेल्पलाइन की

शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाएं तथा ए श्रेणी में आने के लिए कार्य करें। लगातार सी एवं डी श्रेणी में आने वाले विभागों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के भी उन्होंने निर्देश दिए। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रगति वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सुश्री अर्चना मिश्रा, श्री गैलेक्सी नागपुरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

इंदौर प्रति मंगलवार, 24 मार्च 2026 से 30 मार्च 2026 तक

महिला सफाईकर्मी की गिरने से मौत, परिजनों में आक्रोश-सख्त कार्रवाई की मांग

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर (लसूड़िया)ः लसूड़िया थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में साफ-सफाई का काम कर रही महिला की दूसरी मंजिल से गिरने के कारण मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। मृतका की पहचान लाड़कीबाई (32), पति कन्हैया, निवासी निपानिया कांकड़ के रूप में हुई है।

वह एक बंगले में घरेलू कामकाज और सफाई करने गई थी। रविवार दोपहर जब वह दूसरी मंजिल पर पोछा लगा रही थी, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने या पैर फिसलने से नीचे गिर गई। ऊंचाई से गिरने के कारण उसके सिर में गंभीर चोट आई,

जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतका का पति नर्सरी में काम कर परिवार का पालन-पोषण करता है। उनके तीन बच्चे राजकुमार, संजना और संध्या हैं। इस घटना को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार जी के नेतृत्व में लखन देपाले (इंदौर) द्वारा थाना प्रभारी से चर्चा की गई, जिसमें मांग की गई कि मामले को गंभीरता से लिया जाए, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा राशि दी जाए। इस दौरान रितेश परिहार (जिला अध्यक्ष), सचिन मंन्सोरे रोहित सिसोदिया, गोलू गंदारे, सुनील भाई सहित अन्य साथी उपस्थित रहे।

प्रयागराज स्टेशन पर संदिग्ध हरकत, वीडियो बनाते युवक को पकड़ा

खुशबू श्रीवास्तव

मोबाइल से कई ग्रुप में भेजे वीडियो, पुलिस जांच में जुटी

प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक युवक को संदिग्ध तरीके से वीडियो बनाते हुए पकड़ लिया गया। बताया जा रहा है कि एक चर्चित नेता के ट्रेन से रवाना होने के दौरान युवक लगातार उनकी गतिविधियों को रिकॉर्ड कर रहा था। मौके पर मौजूद लोगों को युवक की हरकत पर शक हुआ, जिसके बाद उसे तुरंत पकड़ लिया गया। गुस्साए लोगों ने उससे पूछताछ की और फिर उसे रेलवे पुलिस के हवाले कर दिया। जांच के दौरान युवक के मोबाइल में कई ग्रुप्स में वीडियो भेजे जाने के सबूत मिले हैं। सूत्रों के अनुसार, उसके फोन में अलग-अलग भाषाओं के ग्रुप मौजूद हैं, जिससे मामला और भी संदिग्ध माना जा रहा है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि युवक का मकसद क्या था और वह किसी के इशारे पर काम कर रहा था या नहीं। फिलहाल उससे गहन पूछताछ जारी है और पूरे मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है।

एमटीएच अस्पताल में खुली वसूली!

गार्ड ने मांगे 2000, नहीं देने पर हंगामा

खुशबू श्रीवास्तव

मरीज के परिजनों से बदसलूकी, झूमाझटकी तक पहुंचा मामला

MTH Hospital एक बार फिर विवादों में आ गया है। यहां एक गार्ड पर गंभीर आरोप लगे हैं कि उसने मरीज के परिजनों से खुलेआम पैसे की मांग की। मिली जानकारी के अनुसार, मरीज रक्षा पति रवि की सास चंदा अपनी बहू को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचीं थीं। इसी दौरान ड्यूटी पर मौजूद गार्ड पलक चौहान ने उनसे 2000 की मांग करते हुए कहा—"पैसे दो, आपका सारा काम करवा दूंगी।" परिजनों का आरोप है कि जब उन्होंने पैसे देने से इनकार किया, तो गार्ड का रवैया अचानक बदल गया। उसने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और मामला झूमाझटकी तक पहुंच गया। इस घटना से अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद परिजनों में भारी आक्रोश है और उन्होंने जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब सवाल यह उठता है कि क्या अस्पताल में इलाज के नाम पर वसूली का खेल चल रहा है? फिलहाल, अस्पताल प्रबंधन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

आंतरिक सौंदर्य हमारे चरित्र और जीवन को सुंदर बना देता है

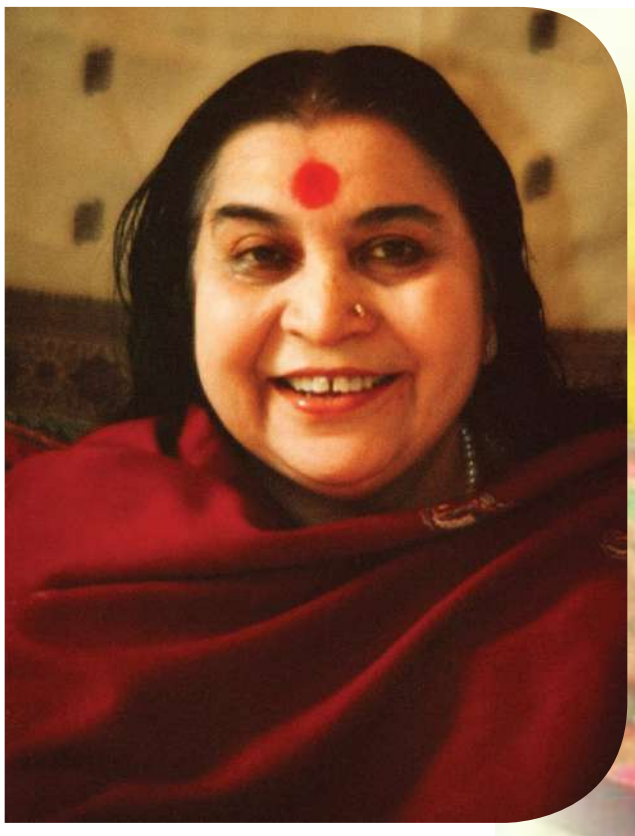

गुरु सुकरात दिखने में सुंदर नहीं थे। एक दिन वे आईना हाथ में ले कर चेहरे को निहार रहे थे। तभी उनका शिष्य वहाँ आया और अपने गुरु को आईना देखते देखकर उसे अजीब सा लगने लगा। वह कुछ बोला नहीं बस मुस्कुराने लगा। गुरु सुकरात अपने शिष्य के मुस्कुराहट का अर्थ समझ गये। और, अपने शिष्य को समझाते हुये बोले, "मैं तुम्हारे मुस्कुराने का अर्थ समझ गया। तुम सोच रहे होगे कि मुझ जैसा कुरुप व्यक्ति अपने को आईने में क्यों देख रहा है। जानते हो मैं आईना क्यों देखता हूँ।" "नहीं" शिष्य का जवाब था। सुकरात मुस्कुराते हुए बोले, " मैं कुरुप हूँ इसीलिए आईना देखता हूँ क्योंकि आईना देखने पर मुझे कुरुपता का आभास होता है और मैं प्रयास करता हूँ कि कुछ ऐसा अच्छा काम करुं जिससे मेरी कुरुपता ढक जाये।" शिष्य को यह बात बहुत प्रेरणास्पद लगी। एक और संशय से शिष्य ने पूछा, "सुंदर लोग भी तो आईना देखते हैं। वो तो अपना ऊपरी सौंदर्य ही देखते हैं।" गुरु सुकरात बोले कि वे भी आईना देखकर अपने सौंदर्य पर गर्व करते हैं, अच्छी बात है। पर, साथ ही यह प्रयास भी करना चाहिए कि अपने अंदर के सौंदर्य को भी बढ़ाये ताकि ऊपर का सौंदर्य सदा बरकरार रहे व और निखरे।" शिष्य को गुरु की बात समझ में आ गई और वह गुरु के आगे नतमस्तक हो गया। अंदर के सौंदर्य को हम गुरुवर की तरह आईने में नहीं देख सकते हैं। हमें स्वयं को बंद आंखों से देखना होगा। आत्मनिरीक्षण करना होगा। प्रयास करना होगा कि मन और भाव की सुंदरता को बढ़ाये ताकि आंतरिक सौंदर्य की खुशबू औरों तक पहुंचे और उन्हें भी सुंदर बनने की प्रेरणा मिले। इसके लिए सरल मार्ग है सहज योग का मार्ग जिसके माध्यम से स्वयं की बुराइयों से मुक्ति पाकर अंदर के गुणों को विकसित करने की तकनीक हम सीखते हैं। हमारे अंदर के सूक्ष्म शरीर, नाड़ियों और चक्रों के बारे में जानते हैं और उनसे हमारे जीवन में होने वाले उत्थान से भिज्ञ होते हैं। ध्यान के फायदे अनेक हैं प्रेम, क्षमाशीलता, संतोष, कलात्मकता, निर्भयता और नम्रता जैसे गुण स्वयंमेव ही हमारे अंदर स्थापित होने लगते हैं। हमें यह पता ही है कि ऊपरी सौंदर्य स्थायी नहीं होता पर आंतरिक सौंदर्य हमारे चरित्र और जीवन को सुंदर बना देता है। कहते हैं ना 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' तो चलिये गुरु सुकरात की तरह आत्मनिरिक्षण करने की कला सीखते हैं, जुड़ते हैं सहज योग से। सहज योग के बारे में जानने हेतु हमारा टोल फ्री नंबर है 18002700800 पर कॉल कर सकते हैं।

शहडोल जिला को चिकित्सालय को मिली डायलिसिस मशीन की सौगात

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल जिला चिकित्सालय में अब डायलिसिस की सुविधा भी मरीजों को प्राप्त होगी जिसकी मरीजों को अत्यंत आवश्यकता थी जो पूरी अब जाके पूरी हुई सांसद विवेक तंखा द्वारा जिला चिकित्सालय शहडोल को डायलिसिस मशीन उपलब्ध कराई गई। इस मशीन का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा एवं सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ ने फीता काटकर किया।

डायलिसिस मशीन उपलब्ध होने से अब किडनी से संबंधित गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को बेहतर उपचार की सुविधा जिला चिकित्सालय में ही मिल सकेगी और उन्हें बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी।

किडनी मरीजों को के लिए ये सुविधा किसी वरदान से कम नहीं हैं।

सनातन प्रीमियर लीग के दौरान एक प्रेरणादायक और उत्साहपूर्ण दृश्य

राजेश धाकड़

अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक देवकीनन्दन ठाकुर जी के साथ मॉडल, एक्टर एवं विधानसभा अध्यक्ष (ब्राह्मण समाज) के पं कुणाल पंचोली जी मैदान में क्रिकेट खेलते नजर आए। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों के साथ समय बिताते हुए उनका उत्साह बढ़ाया और युवाओं को खेल एवं संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश दिया। आयोजन के दौरान मैदान में मौजूद खिलाड़ियों और दर्शकों में खास उत्साह देखने को मिला। युवा शक्ति, सनातन संस्कृति और एकता का यह संगम पूरे आयोजन को ऊर्जा और सकारात्मकता से भर गया। सनातन प्रीमियर लीग जैसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करने के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी इस पहल की सराहना की और इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया।

नेशनल लोक अदालत का हुआ सफल आयोजन, 2749 प्रकरणों का हुआ निराकरण

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल श्री काशीनाथ सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में वर्ष की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय शहडोल एवं सिविल न्यायालय ब्यौहारी, बुढ़ार तथा जयसिंहनगर में किया गया। जिला शहडोल में नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला न्यायालय शहडोल एवं सिविल न्यायालय ब्यौहारी, बुढ़ार तथा जयसिंहनगर में कुल 23 न्यायिक खंडपीठों का गठन किया गया। इनमें जिला न्यायालय शहडोल में 11 खंडपीठ, श्रम न्यायालय शहडोल के श्रम न्यायाधीश श्री अभिषेक कुमार त्रिपाठी की 1 खंडपीठ, तहसील न्यायालय ब्यौहारी में 4 खंडपीठ, तहसील न्यायालय बुढ़ार में 4 खंडपीठ तथा तहसील न्यायालय जयसिंहनगर में 3 खंडपीठ गठित किए गए।

नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा वर्चुअली माध्यम से चीफ जस्टिस के मार्गदर्शन में तथा भौतिक रूप से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री काशीनाथ सिंह द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय

में मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने नेशनल लोक अदालत के लाभों की जानकारी देते हुए कहा कि लोक अदालत में राजीनामे के माध्यम से प्रकरण समाप्त होने पर दोनों पक्षों की जीत होती है और मुकदमा पूर्ण रूप से समाप्त हो जाता है, जिसकी अपील भी नहीं होती। साथ ही पक्षकारों को वाद शुल्क की वापसी भी हो जाती है। पारिवारिक मामलों में सुलह होने से परिवार टूटने से बच जाते हैं। उन्होंने अधिवक्ताओं एवं उपस्थित जनों से अधिक से अधिक प्रकरणों का राजीनामे के माध्यम से निराकरण कराने का आह्वान किया।

उक्त अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय द्वारा विधिक सेवा प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें नालसा एवं सालसा की विभिन्न योजनाओं की जानकारी तथा ब्रोशर आमजन के लिए उपलब्ध कराए गए। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय श्री शशिभूषण शर्मा, विशेष न्यायाधीश श्रीमती दीपाली शर्मा, जिला न्यायाधीश श्री कमलेश कोल, श्री कृष्ण पाल सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री राजेन्द्र सिंह सिंगार, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री रूपेन्द्र सिंह मडावी, श्री सीताशरण यादव, श्रीमती प्रीति सिंह बघेल, सुश्री अदिति कुमार शर्मा, सुश्री श्वेता यादव, सुश्री दीप्ति चौहान, जिला विधिक सहायता अधिकारी/प्रभारी सचिव श्री देवेन्द्र सिंह परस्ते, डीपीओ श्री हरिओम कुसुमाकर बैश्य, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ श्री राकेश सिंह बघेल, उपाध्यक्ष श्री सतीश पाठक, सचिव अधिवक्ता संघ श्री अनिल तिवारी सहित अधिवक्ता संघ के अन्य सदस्य, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री कुंजबिहारी द्विवेदी, समस्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल, पैनल अधिवक्ता, पैरालीगल वालंटियर तथा न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री देवेन्द्र सिंह परस्ते द्वारा किया गया। नेशनल लोक अदालत के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर में विद्युत विभाग, नगरपालिका, राष्ट्रीयकृत बैंक एवं बीएसएनएल सहित अन्य विभागों के स्टॉल भी लगाए गए। इस नेशनल लोक अदालत में कुल 552 लंबित प्रकरण एवं 2197 प्री-लिटिगेशन प्रकरण, इस प्रकार कुल 2749 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इनमें कुल 4,14,38,985 रुपये की राशि का अवार्ड पारित हुआ। इनमें मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के 46, चेक अनादरण के 61, आपराधिक राजीनामा योग्य 177, वैवाहिक विवाद के 42, विद्युत विभाग के 47 लंबित एवं अन्य 179 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया।

जनपद सीईओ द्वारा बोरी बंधान एवं वर्षा जल संग्रहण कार्यों का हुआ निरीक्षण

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू श्री सुधीर दिनकर द्वारा ग्राम पंचायत दुलादर, सेमरा एवं पाथर का का भ्रमण कर विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल संचय जन-भागीदारी कार्यक्रम के अंतर्गत किए जा रहे बोरी बंधान एवं वर्षा जल संचयन के कार्यों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए, जिससे वर्षा जल का अधिक से अधिक संचयन हो सके और ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति से राहत मिल सके। इस दौरान उन्होंने संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत संचालित आंगनवाड़ी केन्द्र का भी निरीक्षण किया तथा बच्चों को प्रदान की जा रही सुविधाओं, पोषण आहार एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

महिला अपराधों की उत्कृष्ट विवेचना पर इंदौर की उपनिरीक्षक अंजलि श्रीवास्तव को पीएचक्यू भोपाल में तृतीय पुरस्कार

महिला संबंधी अपराधों की उत्कृष्ट विवेचना के लिए मध्य प्रदेश स्तर पर इंदौर की उपनिरीक्षक अंजलि श्रीवास्तव, थाना बाणगंगा, जिला इंदौर को पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) भोपाल में सम्मानित किया गया।

प्रदेश भर के सभी जिलों में महिला अपराधों की विवेचना में सराहनीय कार्य करने पर उन्हें तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर उपनिरीक्षक अंजलि श्रीवास्तव को 3000 रुपये की नकद राशि तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने उनके कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, लगन और सूझबूझ से मामलों की निष्पक्ष और प्रभावी विवेचना संभव हो सकी है। उनकी इस उपलब्धि से इंदौर पुलिस और पूरे जिले का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। पुलिस विभाग के अधिकारियों और साथियों ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट कार्य करने की कामना की।

3 साल से चल रहा वेतन विवाद खत्म

आंतरी स्लीपर फैक्ट्री में समझौते से लौटी कामकाज की रफ्तार

कालीचरण

आंतरी क्षेत्र की स्लीपर फैक्ट्री में लंबे समय से फैक्ट्री प्रबंधन और श्रमिकों के बीच चल रहा वेतन विसंगति का विवाद आखिरकार सुलझ गया। यह मामला पिछले कई वर्षों से श्रमिकों और मालिक पक्ष के बीच तनाव का कारण बना हुआ था, जिसके चलते कामकाज भी प्रभावित हो रहा था और श्रमिकों में असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा था। जिला रिपोर्टर कालीचरण की पहल पर दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। इस दौरान श्रमिकों ने अपनी वेतन संबंधी परेशानियों, काम के घंटे और अन्य सुविधाओं से जुड़ी मांगों को विस्तार से रखा, वहीं फैक्ट्री मालिक ने भी अपनी व्यावसायिक चुनौतियों और परिस्थितियों को सामने रखा। बातचीत का यह दौर काफी समय तक चला, जिसमें दोनों पक्षों को समझाने और संतुलन बनाने का प्रयास किया गया।

अंततः आपसी सहमति के आधार पर एक सकारात्मक समाधान निकलकर सामने आया। फैक्ट्री मालिक श्री हरीश भोजवानी और श्रमिकों के बीच तीन वर्षों के लिए एक सहमति पत्र यानी अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। इस अनुबंध के तहत वेतन विसंगतियों को दूर करने और भविष्य में किसी प्रकार के विवाद से बचने के लिए स्पष्ट शर्तें तय की गई हैं। इस समझौते से लंबे समय से चला आ रहा विवाद पूरी तरह समाप्त हो गया और फैक्ट्री में सामान्य स्थिति बहाल हो गई है।

समझौते के बाद श्रमिकों के चेहरे पर संतोष नजर आया और उन्होंने इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर श्री राजवीर सिंह गुर्जर, श्री मनोज किरार सहित सभी श्रमिकों ने आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद उनकी समस्याओं का समाधान हुआ है, जिससे अब वे पूरी निष्ठा के साथ अपने काम पर ध्यान दे सकेंगे। इस समझौते को क्षेत्र में एक सकारात्मक उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है, जहां संवाद और आपसी समझ के जरिए एक जटिल विवाद को सुलझाया गया। इससे न केवल श्रमिकों और प्रबंधन के बीच विश्वास मजबूत हुआ है, बल्कि औद्योगिक माहौल भी बेहतर होने की उम्मीद जताई जा रही है।

दिल्ली में 20 साल में हार्ट अटैक ने ली इतने लाखों लोगों की जान, इसमें 14, 000 बच्चे भी हैं शामिल

दिल्ली सरकार के आंकड़ों के अनुसार देश की राजधानी में में 2024 में दिल का दौरा और दिल से संबंधित बीमारियों के कारण 34,539 मौतें हुईं, जो पिछले साल की तुलना में 12,000 से ज़्यादा मौतें हैं जब 22,385 मौतें दर्ज की गई थीं। इसमें यह भी पता चला कि पिछले दो दशकों में दिल्ली में 3,29,857 मौतें दिल के दौरे के कारण हुईं। दर्ज की गई कुल मौतों में से पांच प्रतिशत से अधिक (14,321) मौतें 14 वर्ष और उससे कम उम्र के लोगों की थीं।

25 से 44 वर्ष के लोग हो रहे ज्यादा शिकार

दिल्ली सरकार की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, 25 से 44 वर्ष की आयु वर्ग में 46,129 मौतें दर्ज की गईं, जबकि 45 से 64 वर्ष की आयु वर्ग में 1,03,972 लोगों की मौत दिल के दौरे से हुई और 65 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में 92,048 लोगों की मौत हुई। बीएम बिड़ला हार्ट हॉस्पिटल की बाल हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. मधुरिमा घोष ने कहा- "हालांकि वंशानुगत जोखिम महत्वपूर्ण बना हुआ है, लेकिन जीवनशैली कारक अब शुरुआती दिल के दौरे में एक बड़ी और अधिक बदली जा सकने वाली भूमिका निभाते हैं। आनुवंशिकी बंदूक लोड कर सकती है, लेकिन जीवनशैली ट्रिगर खींचती है। खराब आहार, निष्क्रियता, धूम्रपान, तनाव और नींद की कमी बहुत कम उम्र में आनुवंशिक प्रवृत्ति को सक्रिय कर सकती है।"

महिलाओं के मुकबाले पुरुष हो रहे हार्ट अटैक का ज्यादा शिकार

2005 और 2024 के बीच, दिल से संबंधित समस्याओं के कारण हुई कुल मौतों में से 2,10,206 पुरुष, 1,19,626 महिलाएं और 25 अन्य थे। अधिकतम 34,539 मौतें 2024 में दर्ज की गईं और न्यूनतम 8,236 मौतें 2010 में दर्ज की गईं। आंकड़ों के आगे के विश्लेषण से पता चलता है कि 45-64 वर्ष की आयु वर्ग में, दिल का दौरा/बीमारियों के कारण पुरुष मौतों की संख्या महिला मौतों की संख्या से लगभग दोगुनी थी। कुल 68,177 पुरुषों और 35,795 महिलाओं की मौतें दर्ज की गईं। "आज के समय में, शुरुआती हार्ट अटैक में आनुवंशिक जोखिम की तुलना में लाइफस्टाइल फैक्टर ज़्यादा अहम भूमिका निभाते हैं। हालांकि जेनेटिक्स भी जोखिम बढ़ा सकते हैं, लेकिन खराब आदतें ही इसके मुख्य कारण हैं।

इन कारणों से आता है हार्ट अटैक

कुछ फैक्टर जैसे कि सुस्त दिनचर्या, ज़्यादा स्क्रीन टाइम, खाने की खराब आदतें, धूम्रपान, वेपिंग, खराब नींद और ज़्यादा तनाव का स्तर जीवन में बहुत पहले ही दिल की सेहत को नुकसान पहुंचाता है" । हार्ट अटैक और संबंधित बीमारियों के कारण होने वाली संस्थागत मौतें 45-64 साल के आयु वर्ग में सबसे ज़्यादा थीं (38.55 प्रतिशत), इसके बाद 65 साल और उससे ज़्यादा आयु वर्ग।

11.4 करोड़ का छात्रवृत्ति घोटाला: पांच राज्यों के नोडल अधिकारियों, फर्जी संस्थानों और छात्रों पर CBI की एफआईआर

सीबीआई ने दिव्यांग छात्रों के लिए निर्धारित छात्रवृत्ति निधि से 11.4 करोड़ रुपये से अधिक के गबन मामले में पांच राज्यों के नोडल अधिकारियों, फर्जी संस्थानों और छात्रों के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह मामला अंब्रेला छात्रवृत्ति योजना से जुड़ा है। यह योजना 2018 में दिव्यांग छात्रों के लिए शुरू की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि जिन राज्यों के अज्ञात लोक सेवकों और नोडल अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई ने केस दर्ज किया है, उसमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। अंब्रेला छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्रों के साथ-साथ मैट्रिक के बाद के डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के छात्रों को भी छात्रवृत्ति मिलती थी। यूजीसी/एआईसीटीई की ओर से मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री और डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिग्री और डिप्लोमा के छात्रों को भी इन छात्रवृत्तियों के अंतर्गत वित्त पोषित किया जाता था। आरोप है कि 28 संस्थानों से जुड़े ऐसे 926 छात्रों को 11.41 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी गई, जो या तो फर्जी थे या मंत्रालय के निरीक्षण के दौरान उनमें गंभीर अनियमितताओं का पता चला था। केंद्रीय एजेंसी ने पिछले साल सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के सचिव की शिकायत पर प्रारंभिक जांच शुरू की थी। जांच के दौरान यह सामने आया कि इनमें से कई संस्थान अस्तित्वहीन थे या बंद हो चुके थे, फिर भी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल से धनराशि का दावा कर रहे थे। एजेंसी ने पाया कि जम्मू और कश्मीर स्थित सत्यम कॉलेज ऑफ एजुकेशन 2017 से बंद था। फिर भी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर फर्जी यूजर आईडी बनाकर इसके छात्रों के नाम पर छात्रवृत्ति के दावे किए जा रहे थे। इस साजिश में कई स्कूलों का नाम उनकी जानकारी के बिना इस्तेमाल किया जा रहा था। सीबीआई ने बताया कि राजस्थान, कर्नाटक और ओडिशा जैसे राज्यों के 11 संस्थानों ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी नहीं थी।

शुभता, शुचिता व शक्ति की आराधना का पर्व

गुड़ी पड़वा

(प्रथम नवरात्रि मां शैलपुत्री की होगी आराधना)
वन्दे वाञ्छितलाभाय
चन्द्रार्धकृतशेखराम्।
वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्रीं
यशस्विनीम्॥

भारत के प्रमुख पर्वों में से एक है नवरात्रि। चैत्र नवरात्रि का प्रथम दिवस लूनार कैलेंडर के अनुसार भारतीय नव वर्ष के रूप में उत्साह पूर्वक मनाया जाता है। नवरात्रि में देवी के नौ रूपों का पूजन व साधना की जाती है वस्तुतः यह सभी स्वरूप स्वयं आदिशक्ति द्वारा समय व आवश्यकतानुसार धारण किए गए। स्वयं आदिशक्ति श्री माताजी निर्मला देवी जी ने अपनी अमृतवाणी में इसका उल्लेख किया है देवी नौ बार पृथ्वी पर आईं, देवी ने उन सभी लोगों से युद्ध किया जो साधकों का विनाश कर रहे थे तथा उनका जीवन दूभर कर रहे थे। सताए हुए इन महात्माओं ने देवी से प्रार्थना की, उन्होंने भगवती की पूजा की और देवी नौ बार आवश्यकतानुसार अवतरित हुईं।

नवरात्रि के प्रथम दिवस मां शैलपुत्री की आराधना की जाती है। मां शैलपुत्री, श्री आदिशक्ति का प्रथम अवतरण मानी जातीं हैं क्योंकि इससे पूर्व श्री आदिशक्ति सुरभि गाय के रूप में अवतरित हुई थीं। उन्होंने हिमालय में जन्म लिया था इसलिए उन्हें शैलपुत्री (हिमालय की पुत्री) कहा जाता है। चैत्र नवरात्रि का प्रथम दिवस भारत के कुछ भागों में गुड़ी पड़वा के रूप में भी मनाया जाता है महाराष्ट्र मैं

विशेष तौर पर इसे भव्य रुप में आयोजित किया जाता है श्री माताजी ने गुड़ी पड़वा का वर्णन अपनी अमृतवाणी में इस प्रकार किया है कि, यह दिन इसलिए मनाया जाता है क्योंकि यह नए साल का दिन है।... इसे गुड़ी पड़वा कहते हैं। इस दिन वे एक छोटे से झंडे के साथ एक छड़ी पर एक छोटा घड़ा डालते हैं। घड़ा कुंडलिनी का प्रतिनिधित्व करता है। इस गुड़ी पड़वा कुंडलिनी शक्ति की मात्र प्रतीकात्मक पूजा ना करके अपनी कुंडलिनी शक्ति को साक्षात जागृत करने का प्रयत्न करें। श्री माता जी के सानिध्य में कुंडलिनी जागरण द्वारा अपना आत्म साक्षात्कार प्राप्त कर कुंडलिनी शक्ति की चैतन्य लहरियों का आनंद सम अनुभव करें। कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने टोल फ्री नम्बर 18002700800 पर सम्पर्क करें।

सोमनाथ से चीन सीमा तक बनेगा हाइवे

CM मोहन यादव ने किया बड़ा ऐलान

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन में सिंहस्थ 2028 को देखते हुए कई विकास कार्यों की सौगात दी है. मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश चहुंओर प्रगति कर रहा है और मध्य प्रदेश इस विकास यात्रा में हर कदम पर भारत सरकार के साथ है।

इसी वजह से सिंहस्थ को देखते हुए सरकार ने उज्जैन को 664 करोड़ रुपए की सौगात दी है मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्जैन को बदनावर से 8 लेन सुपर एक्सप्रेस हाइवे की सौगात दी है. दिल्ली जाने के लिए देवास-इंदौर के पास से सीधे गरोठ हाइवे भी मिला है. इसके अलावा 3839 करोड़ लागत का नेशनल हाइवे गुजरात के द्वारका से असम में चीन सीमा तक बनेगा. यह एनएच गुजरात के सोमनाथ और उज्जैन के महाकाल को सीधे जोड़ेगा।

गीता भवन के निर्माण के लिए किया गया भूमि पूजनउज्जैन में 77 करोड़ से अधिक लागत के गीता भवन निर्माण के लिए भी भूमि-पूजन किया गया है. प्रदेश में विकास का क्रम जारी है. प्रदेश के नगरीय निकायों में गीता भगवन, गांवों में आदर्श ग्राम, वृंदावन ग्राम बनाए जा रहे हैं. किसान कल्याण वर्ष में उल्लेखनीय कार्यमुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष 2026 में किसानों की आय बढ़ाने और पशुपालन के माध्यम से दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं. पशुपालन विभाग ने सवा साल में 25 प्रशितक दूध उत्पादन बढ़ाया है. किसानों को 5 से 8 रुपए लीटर अधिक मूल्य का लाभ मिला है।

बच्चों को स्कूल में फ्री में मिलेंगे दूध के पैकेटप्रदेश में सांदीपनि विद्यालय, पीएम एक्सीलेंस कॉलेज और यूनिवर्सिटी में जरूरी बदलाव किए गए हैं. स्कूली बच्चों को साइकिलें, ड्रेस, किताबें निःशुल्क वितरित की जा रही हैं. टॉपर बच्चों को स्कूटी, मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप की सौगात मिल रही है. अब प्रदेश के बच्चों को स्कूलों में निःशुल्क दूध के पैकेट मिलेंगे. इसके लिए माता यशोदा के नाम से नई योजना की शुरुआत की गई है।

सिंहस्थ विकास कार्यों के लिए 3600 करोड़ के प्रावधान

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन में सिंहस्थ की तैयारियों के मद्देनजर 13.50 करोड़ से अधिक के विकास कार्य जारी हैं. इसके साथ ही वर्ष 2026-27 में 3600 करोड़ के कार्यों के लिए नए प्रावधान किए हैं. उन्होंने कहा कि भगवान मंगलनाथ की कृपा से मंगल बेला में लगभग 664 करोड़ के अलग-अलग कार्यों में नए मार्ग, विक्रम आरओबी, सड़क चौड़ीकरण, नए सीसी रोड भी शामिल हैं।

विधानसभा चुनाव

ममता बनर्जी ने खेला बड़ा दाव

52 महिला विधायकों को मैदान में उतारा; इन बड़े चेहरों का काट दिया टिकट

बंगाल में 294 सीटों के लिए दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण के लिए 23 अप्रैल और दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। इसी बीच टीएमसी ने 294 सीटों में से 291 पर अपने प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है। इस बार ममता बनर्जी ने प्रत्याशियों की सूची में बड़ा दांव खेला है। टीएमसी ने अपनी लिस्ट में 52 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है।

वहीं टीएमसी की सूची में बड़ा बदलाव भी देखने को मिला है। पार्टी ने मौजूदा 74 विधायकों का टिकट काट दिया है। टीएमसी ने इन विधायकों का एंटी-इनकंबेंसी के चलते टिकट काटना बताया है। टिकट से वंचित नेताओं में मनोज तिवारी, विवेक गुप्ता, सावित्री मित्रा, रत्ना डे नाग, परेश पाल और कंचन मलिक जैसे नाम शामिल हैं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक यह निर्णय जमीनी स्तर पर मिली प्रतिक्रिया के आधार पर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ममता को कई निर्वाचन क्षेत्रों में सत्ता विरोधी लहर को लेकर चिंताएं थीं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक बार फिर दक्षिण कोलकाता की अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से चुनाव लड़ेंगी। यहां उनका मुकाबला बीजेपी के प्रत्याशी सुवेंदु अधिकारी से होगा। सुवेंदु ने ममता को 2021 में नंदीग्राम से चुनाव हराया था। इस बार भवानीपुर सीट खास चर्चा में है, क्योंकि मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर बदलाव हुआ है।

भवानीपुर में होगा दिलचस्प मुकाबला

भवानीपुर सीट पर मुकाबला जरूरी पर दिलचस्प माना जा रहा है। 2021 में ममता बनर्जी ने यहां 58,000 से ज्यादा वोटों से जीत हासिल की थी, लेकिन 2024 लोकसभा चुनाव में कई नगर वार्डों में भाजपा की बढ़त ने मुकाबला को कड़ा बना दिया है।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार
इंदौर प्रति मंगलवार, 24 मार्च 2026 से 30 मार्च 2026 तक

महामहिम और संत-वृंदावन में हुई एक प्रेरणादायक मुलाकात

द्रोपदी मुर्मू और स्वामी प्रेमानन्द जी महाराज की वृन्दावन में हुई मुलाकात ने आध्यात्म, सादगी और मानवीय मूल्यों का एक अनूठा संगम प्रस्तुत किया

राजेश धाकड़

राष्ट्रपति के रूप में देश की सर्वोच्च संवैधानिक जिम्मेदारी निभा रहीं द्रौपदी मुर्मू और भक्ति के मार्ग पर अग्रसर संत प्रेमानंद जी—दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र में प्रेरणा के स्रोत हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का व्यक्तित्व असाधारण दृढ़ता, विनम्रता और धैर्य का प्रतीक है। एक साधारण परिवार से निकलकर देश की प्रथम नागरिक बनने तक का उनका सफर संघर्षों से भरा रहा है। अपने जीवन में उन्होंने कई व्यक्तिगत आघात सहे—पति, पुत्रों, माता और भाई को खोने के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उनके चेहरे की शांति, व्यवहार की सरलता और शब्दों की मर्यादा उन्हें एक संत-स्वभाव नेता के रूप में स्थापित करती है। वे न केवल देश की राष्ट्रपति हैं, बल्कि करोड़ों लोगों के लिए धैर्य और संयम की मिसाल भी हैं। वहीं, वृंदावन में स्थित

अपने आश्रम में स्वामी प्रेमानंद जी महाराज भक्ति और आध्यात्म की गंगा बहा रहे हैं। उनका जीवन सादगी, स्पष्टता और सच्चाई का उदाहरण है। वे कभी भी अंधविश्वास या भ्रम फैलाने के पक्षधर नहीं रहे। हाल ही में एक प्रसंग में, जब एक व्यक्ति अपनी बीमारी लेकर उनके पास पहुंचा, तो उन्होंने उसे सीधे अस्पताल जाने की सलाह दी। यह उनके व्यवहारिक दृष्टिकोण और सच्ची संत प्रवृत्ति को दर्शाता है—जहां आस्था के साथ-साथ यथार्थ को भी महत्व दिया जाता है।

इस मुलाकात ने यह संदेश दिया कि चाहे राजनीति का शिखर हो या अध्यात्म का मार्ग—सादगी, करुणा और सत्यनिष्ठा ही सबसे बड़ी शक्ति है। एक ओर राष्ट्र की प्रथम नागरिक, दूसरी ओर भक्ति के पथप्रदर्शक संत—दोनों का यह मिलन समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आज के समय में, जब समाज में विभाजन और कटुता के स्वर सुनाई देते हैं, ऐसे व्यक्तित्व हमें याद दिलाते हैं कि विनम्रता, सहनशीलता और सकारात्मकता ही सच्ची प्रगति का आधार हैं।

48 घंटे में होर्मुज खोल दो वरना तबाह कर देंगे पावर प्लांट

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को अब तक की सबसे कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि अगर अगले 48 घंटों के भीतर ईरान ने 'होर्मुज जलडमरूमध्य' को पूरी तरह से नहीं खोला, तो अमेरिका ईरान के बिजली घरों को नेस्तनाबूद कर देगा। अमेरिका उनके विभिन्न पावर प्लांट को निशाना बनाएगा और उन्हें मिटा देगा। ट्रंप ने चेतावनी दी कि हमलों की शुरुआत ईरान के सबसे बड़े बिजली घर से की जाएगी।' ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन वे फिलहाल किसी भी तरह की बातचीत के मूड में नहीं हैं। उन्होंने लिखा, 'उनका नेतृत्व खत्म हो चुका है, उनकी नौसेना और वायु सेना मर चुकी है, उनके पास कोई बचाव नहीं है।'

क्यों अहम है होर्मुज का रास्ता?

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की 'ऊर्जा नस' मानी जाती है। दुनिया के कुल तेल का लगभग 20%, करीब 2 करोड़ बैरल प्रतिदिन इसी संकरे रास्ते से गुजरता है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) ने इसे वैश्विक तेल बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा व्यवधान बताया है। ईरान द्वारा इस रास्ते को बंद करने के कारण कच्चे तेल की कीमतें $100 प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जिससे पूरी दुनिया में महंगाई का खतरा बढ़ गया है।

'दूसरे देश खुद करें सुरक्षा'

ट्रंप ने यह भी साफ किया कि अमेरिका अकेले इस रास्ते की सुरक्षा का ठेका नहीं लेगा। ट्रंप का कहना है कि जो देश इस रास्ते का उपयोग करते हैं, उन्हें इसकी सुरक्षा और पुलिसिंग की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बार जब ईरान का खतरा खत्म हो जाएगा, तो इन देशों के लिए इस रास्ते को सुरक्षित रखना एक 'आसान सैन्य ऑपरेशन' होगा। अमेरिका केवल जरूरत पड़ने पर सहायता करेगा।

भारतीय राजनीति में PM मोदी के नाम दर्ज हुआ एक और अहम रिकॉर्ड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति में आज नया इतिहास रच दिया है. मोदी ने कुल 8,931 दिन सरकार के मुखिया के रूप में पूरे कर लिए हैं, जिसमें उनका गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शामिल है. यह सफर 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुआ था, जो आज 2026 में प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल के साथ एक नए शिखर पर पहुंच गया है. इससे पहले यह रिकॉर्ड पवन कुमार चामलिंग के नाम था, जिन्होंने सिक्किम के मुख्यमंत्री के तौर पर 8,930 दिन तक पद संभाला था. यह उपलब्धि कई मायनों में महत्वपूर्ण है।

क्यों खास है पीएम मोदी की यह उपलब्धि?

पीएम मोदी की यह उपलब्धि केवल अंकों का खेल नहीं है, बल्कि मोदी के प्रशासनिक कौशल और जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है. इस रिकॉर्ड के साथ उनके नाम कई और उपलब्धियां भी जुड़ी हैं. मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिनके पास मुख्यमंत्री के रूप में 12 साल से अधिक का लंबा जमीनी अनुभव रहा है. वे स्वतंत्रता के बाद पैदा होने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने सत्ता के शीर्ष तक का सफर तय किया। साल 2014, 2019 और 2024-लगातार तीन लोकसभा चुनावों में जीत हासिल कर उन्होंने अपनी लोकप्रियता को साबित किया है. वे गुजरात के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले मुख्यमंत्री भी रहे हैं।

चामलिंग और मोदी:

एक तुलना

पवन कुमार चामलिंग ने जहां एक राज्य (सिक्किम) के मुख्यमंत्री के तौर पर अपना पूरा रिकॉर्ड बनाया था, वहीं पीएम मोदी ने राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर पूर्ण बहुमत की सरकारें चलाकर यह मुकाम हासिल किया है. मोदी के इस रिकॉर्ड में 12 साल से ज्यादा का समय गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और शेष कार्यकाल देश के प्रधानमंत्री के तौर पर शामिल है।।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)